*৯*৯॥ লূহপ.দ্রিম.মাপস.এর্মীমাপ.ওর্মু.ম.প্রতু, মূম.মহ..।

षाघठः द्र्यः चीष्ट्रः जलानः तद्भीवाः क। बाधवाः मुक्तः मुक्तः स्वीवः कुर्ण्यः वितः द्र्यानम् मुक्ताः वारा

ब्रुव:नर्ह्र्टी

स्टार्निट्रा स्टान्यी बुनर्न्नव्यक्षिकेत्वायी इ. पर्म्नियुद्धिमक्ट्राप्त्याम्बर्मिव्रक्ष्णेत्रक्ष्णेत्रक्ष्येत्रक्ष्येत्रक्ष्येत्रक्ष्येत्रक्ष्येत्रक्ष्येत्

उर्द्र कुन्धूननुवा थ्रिन्यत्त भ्री चीवालूर्य श्री चीवात त्यावी । म्री उर्च् च भ्रुपुन्न्योग जनाथ्य पर्द्र द्रा प्रवित्त प्रवित्त भ्रीत भ्रीचा प्रवृत्त म्री प्रवृत्त प्रवृत्त भ्रीत क्ष्य क्ष्य प्रवृत्त क्ष्य क्

मैरापनापना नी निम्र अह्य अधिय क्वे. उनुमान लम्स मैश मूर्ट उनुमान मुट्ट मैर उनने नई व.के नभ्रेन निम्र माने वे. इ. इट मारामावर कि मालीमा ली

चार्ट्टथा.ठाजुना क्रीन क्रूचीया.लाम. मैया चूट मुनाजा वेश-विचाना ठट्ट्टा ता ट्टा। ठक्ट्टाठु चार्चना क्र्य जुनाया शिचा हूट मैमाना सामान्य क्राच्या स्थाना हिना क्रीन क्रीन क्रीन क्राच्या प्रकृत महिना विचाना मिला मिला मिला मिला क्राच्या प्रकृत महिना हिना क्राच्या प्रकृत महिना क्राच्या क्राच क्राच्या क्राच्या क्राच्या क्राच्या क्राच्या क्राच्या क्राच्या

पूर क्रू र देवे. यंग ज्या ज्या ज्या ज्या ज्या क्रिंग क्र

मूर्याकराष्ट्रया घर रेटा पर रेटा उद्ध माना क्रान्त्र कर के प्राप्त होता हो हो। तथा नुम हिला परित्र के माना मान

चार्यकाः जीचांका उद्देः केराजा जूटा दे . क. कूर्यांका कृषा विष्या तम्रीचांका ती भी र्या

र्देव:क्वं:रूर:पॉ

त्तवित्वासुर्वास्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीय वर्ष्वास्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीय

र्देव:क्वं मिश्रेश:पा

कुं ठवैर प्रिरण। अपन्य र्ययर। द्रयाशक्रीरी र्रञ्जव यावशक्ता वर्र्य द्रयाश्राचीर त्यर द्रयः वर रवि ववेर अर रादु सूच रवर जूरी। र.री. क्रियानमानमा मन्नावनामान क्रिया पर पर्व तीव पर्रा हे हे बाज क्रिया है साव का पर्या क्रिया प्रावित पर्या मनिया मनिया प्रावित पर्या प्रावित पर्या मनिया साव स्वावित प्रावित स्वावित स् હુના શુન દ્વના છુનન ત્વાન કિના શુદ્ધાના વાત કરાયા છે. તે કાર્યા છે. તે તામ છે. તે તામ છે. તે તામ છે. તે તામ છી ट्रेव.क्य.चीश्रेभ.ता भुै मुर् र रूर् मूर्य (प्रकृत रहा) रहार्य वहार मुर्चित शिकार् सार् भीर स्वरूप की मूर्य सहस्त्री। र्देब:क्ब्य:मब्व:मा शिलुव र्दर क्रूचालूचा रदा। चंब चालूचा थि दार्गुराच रदा। क्रूचालूचा रदा चंब चालूचा श्रे क्रूट चंबरा क्रिया इंचाल इंचाल क्रूचा चुंबर र्ट्व.क्व.ऊता श्री तार्व स्टायवर नार्ष्ट्र नार्ष्ट्र नार्द्र । यद्भेदा हे निराधिर क्री क्रिन्य क्षेत्र हे निराधिर क्षेत्र हे निराधिर क्षेत्र हो क्षेत्र हो क्षेत्र हो र्देव:क्वं:र्जुमाना भुम् रेन्र रेन्र विभवा क्षेत्र प्रमान रिन् विवा प्रवर वर्षी मधी विवा वर्षेत्र पर्वे व कर्षेत्र पर्वे विवायर विवा र्देब:क्ब्य:महुब:धा भुम्राधमा रूट् विमा कुम्रेय नर उट्नाभमा तुरा दर्। विमा कुर्या यन द्वि उद्देर म्रा तर मार उट्नाभमा कु भूत मुन्य कुर सुन कुन स्वर्ग नर जूरी क्र मान समान स्वर्ग निमान कु कुर रूप . उद्दे ज्या त्यायाच्यु द्वि . जीवा या र्क्ष्य व्याद् सूरा वाद सद में दा दर्दा । उद्दे भे वीयु द्वि . जीवा अरद दे सूरा वाद सद में दा वर्षा वाद स्वीत स्वीत वाद स्वीत वाद स्वीत वाद स्वीत वाद स्वीत वाद स्वीत वाद स्वीत स्व £11 र्ट्रव:क्व:पक्चर:पा र्माश्राज्ञीर्घनःघरःलेर्।। र्देव:र्क्व:दशु:पा शुभीव भर नर्वत - भुनाश छैता वहें व मनुर स्रा दें स्था भर व छैर वस् द्विर वस मर्वत छैत सामकर छैत्रावर मिर्ट होर सुनरुना की केना

भुम् रूर् रूर रूर देनर र्ज अर्र र्थ्यावक मार्य भिष्या विषय विषय के अधिकाय स्वाय के अर्थुन मार अर्थ के विषय स्व

भुं तुरुर्द्रर्राह्माना त्यान्त्रेन भुंयं तर्व्यान द्यान त्यान या तर्वा तर्वा त्यान क्षेत्र हुन त्ये क्षेत्र त्यान क्षेत्र वित्र क्षेत्र त्या क्षेत्र वित्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र क्षेत्र वित्र क्षेत्र क्

र्देब क्वं परुपा

र्देब:र्क्ब:परु:पारुमा:पा

<u> हुर्याय क्षेर-र्यमञ्जर्दाय क्षेया वालम्पर्यय सियात यत्रू र्यम्य यत्रय क्षेत्र्य र्यनर उर्देश असर् त्रूरी।</u>

द्रयोगः क्रिस्था । \_ योगः मद्राप्तिभगः दर्यान्ति योषणः क्ष्यद्वः दर्ष्याः चीतः द्वान्ति द्वान्ति स्वत्याः त्रेयाः क्ष्याः क्ष्यः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्याः क्ष्यः क्ष्य

र्ट्रब.क्ब.चश्च.चश्चिश.ना

इस दे उर्दे हु कैंग अभा चर्ष्ट क्षेत्र कैंच सुचान असूचा चन चर्रेच केंच कुट तर्द्र कूच वर्ष स्त्र हुच वर्ष स्त्र श्रामुच सर देनर जेट कुन क्षेत्र केंद्र स्ता वर क्ष्र । परित्रेश सूचा त्यीन उर्देन चिष्ठ का प्रकृत । भे चू स्

र्ट्रब.क्ब.चर्च.चश्चम.ता

भुम् र र र मुरामन से स्ट्रिंग वा स्थान वित्ता वित्ता है। यो स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्

भ्रेत्रे रेरेर रर स्थाये तथ स्थाये सार वर्षेत्राचय हिर हेत् होत् रावस्य स्थाय हिर वेना होत् रावे हेत् वर स्था

र्देब:र्क्ब:परु:पर्व:पा

भुम् र. र. र. १९८ वर्ष्ट्र प्रतानाम् अर्थे हिलायनावित स्वामी अर्थ वित्र अभिन्य वर्ष्ट्र तक्षेत्र कुर्य श्री मुर्

. मृत्यहर ५५ जन्देन व्यासीर रूप अन्यत्वा मान्या मा

र्ट्य.क्य.पर्य.ज.ता

भ्रे च्रुं म्रुं म्रुं म्युं वित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष

श्रामार मीभानार ब्रीमा मी मुर्भागन में मिशानिय में जीभार व्यूना मार्ट्स । यद त्री मुर्भागन नहें निश्च मी में मिशानिय में मिशानिय में मिशानिय में मिशानिय मिशान

र्देव:र्क्व:परु:दुम:पा

चन्द्रश्चानिकात्राकार्यं क्षात्राचिकार्यं क्षात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या

र्ट्व.क्व.परु.परुव.ता

शुःभव्रद्भः स्टः मी अयमः द्वरः है प्येदः स्ट केट् विरः सुदः व्यव्यव्यवानिकेट छेट् या प्रदः। मावव्यद्मा प्रदः क्षेत्रः हुन् विरुष् छेट् विरुष् छेट् विरुष्

शुःचार चीश चार ख्रिचा ची अपनर द्वार पर्वत् वर्धेचा हो र पर्वः देवाश के केंचा।

## र्देब:र्क्ब:पर्रे:पर्कुर:धा

क्ट्रिल्ट्राज्या। लट.व.मेराजना नश्यक्षाट्ट.ट्ट्रेश्यमूट मूर्व मेटातट्ट। ४मग.श.ज्यान म्थ्रिस्य क्र्यास्य मान्य मेटानश्यम् नाम्य क्र्यास्य नाम्य स्थानम् स्थानम्यम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम्यम्य

र्देब:र्क्ब:परु:दशु:धा

चार्य-हुर्य-बार-लर-स्ट-चुर्ज्जू र्यग-बार्यग्र क्रिंग-वर्यमा वृक्कुम्या ज्य-तः वर्षण्य क्रिंग-हर्य-स्थमः कर-क्र्य-स्थि। भुव्य-त्र-प्रमाणभाष्ट्री-बार्ट्र-च्या-वर्षण-स्थित् क्रिंग-वर्षण वर्ष्ट्र-वर्षण-वर्षण-स्थितः स्थमः क्रिंग-वर्षण-स्थितः स्थितः वर्षण-स्थितः स्थमः स्थितः स्थमः स्यानः स्थमः स्

र्देब:र्क्बक्रे:-9:पा

क्ट अर मिल अधिव क्रिअधिव क्रिअधिव क्रिअधिव प्रति प्रति स्था मिल स्था मिल स्था मिल स्था स्था स्था स्था स्था स्था

श्रीताय त्या भीतः स्त्रीतः स्त्रा चारुचा हि । श्री स्त्रीया अध्यय विष्य भीता चार्या भीता स्त्रीतः स्त्रीय विषय

र्देब:र्क्ब:क्रेर:माठेमा:धा

र्वतः अरः सद्धित् त्रायः प्रता सद्धाः स्तर् सद्धाः प्रता स्तर् स्तरः स्तर् स्तरः स

र्ट्व.क्व.ध्रेम.चीध्रेश.ता

ही कुचाना दुधानाविद्यायका कुसूरा सर्ट्य अफललूर चतुसूरा रायर लूट्या रेलुया। यक्षेत्र हे मैजायन कुर्यार पार्ड्य येना लट यमेल हीतु अभेभ मुँजाना पड़ेय तातु सूर्या याचिन हीत्य स्थाना स्थान हित्य स्थान स्थान होत्य स्थान स्थान होत्य स्थान स्थान होत्य स्थान स्थान स्थान होत्य स्थान स्थान होत्य स्थान स्थान होत्य स्थान स

र्देव:र्क्रव:क्रेर:पाश्रुवा:पा

लूर्। भुँ या मुज्य आपी द्वीर तार्या। जबानुयाब उर्तूर उद्देश बहुर ता दे लया र्या अपूर्य स्वीय उद्धाव वा स्वाप स्वाप स्व

क्ट्-अर-ट्री-उवीर-बार-लट-अर-तर् स्र्रेविशायमार्ट्वा उदाः अर्द्धर्था यात्रा स्वाधाः उदा अरुभार्ट्या वर्षा स्वी

त्रैं हुत्या अप्तार्थ में स्थित कुर्त्य में में मान स्थाप कि स्याप कि स्थाप कि स्थाप कि स्थाप कि स्थाप कि स्थाप कि स्थाप कि स्था

श्रात्रव स्टर्स्स मीम्यव सिर्स्सेय क्रेन्स्स् मैगन्थेय क्रूचीय वहीं नाय स्टर्मिय स्टर्सिय क्रूचीय स्टर्मिया परिनेत्र स्टर्सिया स्टर्मिया

र्देव:क्वंत:क्रेर:पर्व:पा

श्रात्त्री संदर्भात्रा गादिनु शर्केन स्थाना स्टरमानु देव स्थाना स्वर्भात्र स्थाना स्वर्भात्र स्थाना स्वर्भात्र

र्ट्व.क्व.भेर.कंता

मुद्धिः। मेशत्राप्त्योतानकराक्किमेनशत्रामा चोषवं त्यां त्रत्त्रम् विशालकाः कृत्युवक्किः भ्रैवन्त्रवे त्रकृष्टिः स्थान्यत्त्रम् वित्रकृत्यावित्रकृत्यवित्रकृत्यावित्रकृत्यावित्रकृत्यावित्रकृत्यावित्रकृत्यावित्रकृत्यावित्रकृत्यावित्रकृत्यवित्यवित्यवित्रकृत्य

हु,कूचान कु भेट भुँच उट्र मर्थ्यन तुं हुच रेचट जूरी। बाजार्ट्ट । चि.सैची मुजार्यन केरन जार्यमुचान जनजकु के धूचान रहा रूचान रमार्थ्य तुं हुच वट्ट जूर हुट । कर नामिच यननमा रूपुर उद्गेन चिह जनन चश्च तामिट केर नार मिला स्थान

र्देब:र्क्ब:क्रेस:ड्रुबा:धा

मृत्यं नाश्ची भृत्यं नाश्च विभागी भर कुत्र तम् तम् जम्म तम् जम्म तम् जिल्लेम जूत्र श्रृत ब्रेट मृत्य पष्टि मृत्य पण्डि स्वर्म विश्वर्षम् विभाग्य श्रृत ब्रेट स्वर्म प्रमानिक स्वर्म स्वरंभ स्वर्म स्वरंभ स्वर्म स्वरंभ स्वरंभ स्वर्म स्वरंभ स्व

बुट्टान् तीर्वचावनः सन्तुर्वा नृजः भैनावनः विचान्त्रत्यां कून कुञ्चुन्त्र्वानः कृत्यन्त्रः कृत्यन्त्रत्यः कृत्यन्त्रः कृत्यन्त्रः विचान्त्रः विचान्त

तः अक्टूबः सरः मी मुः सुना स्थान वस्त्रेन व्यून क्रूनः मारः वर्द् बिना क्रूनः नर्तेन वर्देन् वर्देन वर्देन

र्देव:क्वंत:क्रेर:परुव:पा

भुम् रूर्र रूर् क्रूचीय क्रुन्य मिलिर उक्कू यद्ध बर रर र्ययर मीय मिलियार रूर्। क्रूब रूपा कर्ष द्वीय मर हूर्य रूपा देवीय प्रकार अध्यक्षित वर प्रकार क्रिक्य वर प्रकार क्रिक्य वर प्रकार मिलियार प्रकार क्रिक्य वर प्रकार मिलियार प्रकार क्रिक्य वर प्रकार मिलियार प्रकार क्रिक्य वर्ष क्रिक्य वर प्रकार क्रिक्य वर प्रकार क्रिक्य क्रि

भुम् म्रम् अवत्त्रमा प्रमानिक मान्या के अवता मान्या के अवता मान्या के अवता मान्या मान्

र्देव:र्क्व:क्रेर:पर्कुर:धा

भुत्रे र र र नायथान्यमाय वर्षे वर ह न मूर् कुर्मन घर र र र र र र र र र र र र प्राप्त किया मित्र किया मित्र किया

र्देव:र्क्जव:क्रेस:दशु:धा

भुत्र इ.इ.स. में क्रूचीय कुल्य त्याव जीय र प्रांत तालव है। द्रांत्र वद्वर वट र यह माने विवासी हिए क योट अववाद प्रांत अप क्रूचीय र प्रांत्र माने विवास लावी

रत्मी वृत्यस्तर्ता रत्त्र प्रत्या क्षेत्र क्षे

र्ट्व.क्वं.श्रेय.च्यु.ता

ठसीमनार-सर-जनार्थनाः म्रैपुत्र्म् सर-द्वस्त्रम् स्वान्यस्त्रम् स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्व म्यानमानम् क्रियानमानम् क्रियानमान् क्रियानमान्द्वस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्वान्यस्य स्व